

प्रेषक,

अर्जुन सिंह
संयुक्त साचिव
उत्तराचल शासन

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक
उत्तराचल जल संस्थान
देहरादून।

पेयजल अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 17 अगस्त, 2004

विषय वाणी बिहार भगत सिंह कालोनी, देहरादून पेयजल योजना की प्रशासकीय/
वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

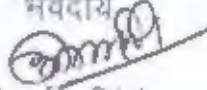
उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्रांक 384/घनादहन/2004-05 दिनांक-01-05-2004 एवं पत्रांक 482/ग्रा0यो0देहरादून(शासन)/2004-05 दिनांक 13.05.2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वाणी बिहार भगत सिंह कालोनी पेयजल योजना के श्रोत सम्बर्द्धन के आगमन अनु0लागत रु0 99.48 लाख के परीक्षणोपरान्त टी0ए0सी0 द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गयी रु 94.66 लाख (रु0 चौगन्ने लाख छियासठ हजार मात्र) की लागत के आगमन पर श्री राज्यपाल प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन दिये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) आगमन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार आगमन/मानचित्र पर अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- (2) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (3) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत मानक है, स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4) एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

५

- (5) कार्य कराने से पूर्व सनस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग / विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विधिस्थितियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- (6) कार्य की समवेदकता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- (7) कार्य कराने से पूर्व स्थल का नती भाति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के परचात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जाए।
- (8) आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
- (9) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
- (10) निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का पालन करना सुनिश्चित करें।
- (11) उक्त योजना की अनुमोदित लागत के विन्यस्त वित्तीय स्वीकृति पृथक से शासन की सहमति से दी जायेगी।
- (12) स्वीकृत लागत के अन्तर्गत सेन्टेज आदि व्यय निर्धारित सीमा के अन्तर्गत ही लिखे जायेंगे।

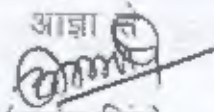
2. यह आदेश वित्त विभाग के असाधारणीय सं० 750/वित्त अनु०-3/2004 दिनांक 16 अगस्त, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

 (अर्जुन सिंह)
 संयुक्त सचिव

संख्या -- 1188/उन्तीस/04/02-(37पे०)/2004, तद दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित--

- 1-महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
- 2-मण्डलायुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 3-जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4- महाप्रबन्धक उत्तरांचल जल संस्थान, पौड़ी।
- 5-अविभाजी अभियन्ता, जलकल, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून का इस आशय से प्रेषित कि कृपया सम्बन्धित अपर अभियन्ता / सहायक अभियन्ता को शासन में भेजकर आगमन में की गयी कटौतियों के विवरण को नोट करने हेतु निर्देशित करें।
- 6-निजी सचिव मा० मुख्य मंत्री।
- 7-वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ।
- 8-निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा

 (अर्जुन सिंह)
 संयुक्त सचिव